



अमेयः



त्वं कथम् अजानाः ?

सानिका

तर्हि सत्यवचनम् ।

आर्या

अहम् अवश्यं यामि ।

अदितिः

सर्वे यान्ति चेत् अहमपि एमि

अद्य आरभ्य एव सिद्धतां कुर्मः । ✓

आर्या

अहं कन्दुकम् , जालयष्टिकां यष्टिकन्दुकौ अपि आनयामि ।

पार्थः

अहं टोपिकां क्रीणामि ।

आदित्यः

अपूपं लाजान् सुपिष्टकानि अपि  
क्रीणीहि । चाकलेहान् अपि गृहाण ।

सानिका

आदित्यः तु सर्वदा खादनविषये एव ब्रवीति । अतः एव पीनः ।

आदित्यः

भवतु , तर्हि अहम् एकाकी एव भोक्ष्ये, न दास्यामि कस्मै अपि ।

अमेयः

व्याघ्रदर्शनं तत्र प्रमुखम् आकर्षणम्, अहं मम अग्रजात्  
चित्रग्राहकं प्राप्नोमि । करदीपम् अपि ।किन्तु अमेय, यः जागर्ति सः एव व्याघ्रं   
पश्यति । त्वं तु वर्गे अपि स्वपिषि । ✓



(अ) धातुतालिका: (द्वितीयः समूहः)  
ज्ञा (९ उ.प.)

| परस्मैपदम् |        |         | लट्लकारः | आत्मनेपदम् |         |          |
|------------|--------|---------|----------|------------|---------|----------|
| ए.व.       | द्विव. | ब.व.    | पुरुषः   | ए.व.       | द्विव.  | ब.व.     |
| जानाति     | जानीतः | जानन्ति | प्रथमः   | जानीते     | जानाते  | जानते    |
| जानासि     | जानीथः | जानीथ   | मध्यमः   | जानीषे     | जानाथे  | जानीध्वे |
| जानामि     | जानीवः | जानीमः  | उत्तमः   | जाने       | जानीवहे | जानीमहे  |

| परस्मैपदम् |           |        | लङ्लकारः | आत्मनेपदम् |           |            |
|------------|-----------|--------|----------|------------|-----------|------------|
| ए.व.       | द्विव.    | ब.व.   | पुरुषः   | ए.व.       | द्विव.    | ब.व.       |
| अजानात्    | अजानीताम् | अजानन् | प्रथमः   | अजानीत     | अजानाताम् | अजानत      |
| अजानाः     | अजानीतम्  | अजानीत | मध्यमः   | अजानीथाः   | अजानाथाम् | अजानीध्वम् |
| अजानाम्    | अजानीव    | अजानीम | उत्तमः   | अजानि      | अजानीवहि  | अजानीमहि   |

| परस्मैपदम् |          |         | लोट्लकारः | आत्मनेपदम् |          |           |
|------------|----------|---------|-----------|------------|----------|-----------|
| ए.व.       | द्विव.   | ब.व.    | पुरुषः    | ए.व.       | द्विव.   | ब.व.      |
| जानातु     | जानीताम् | जानन्तु | प्रथमः    | जानीताम्   | जानाताम् | जानताम्   |
| जानीहि     | जानीतम्  | जानीत   | मध्यमः    | जानीष्व    | जानाथाम् | जानीध्वम् |
| जानानि     | जानाव    | जानाम   | उत्तमः    | जानै       | जानावहै  | जानामहै   |

| परस्मैपदम् |            |         | विधिलिङ्लकारः | आत्मनेपदम् |            |           |
|------------|------------|---------|---------------|------------|------------|-----------|
| ए.व.       | द्विव.     | ब.व.    | पुरुषः        | ए.व.       | द्विव.     | ब.व.      |
| जानीयात्   | जानीयाताम् | जानीयुः | प्रथमः        | जानीत      | जानीयाताम् | जानीरन्   |
| जानीयाः    | जानीयातम्  | जानीयात | मध्यमः        | जानीथाः    | जानीयाथाम् | जानीध्वम् |
| जानीयाम्   | जानीयाव    | जानीयाम | उत्तमः        | जानीय      | जानीवहि    | जानीमहि   |

| परस्मैपदम् |            |             | लृट्लकारः | आत्मनेपदम् |             |             |
|------------|------------|-------------|-----------|------------|-------------|-------------|
| ए.व.       | द्विव.     | ब.व.        | पुरुषः    | ए.व.       | द्विव.      | ब.व.        |
| ज्ञास्यति  | ज्ञास्यतः  | ज्ञास्यन्ति | प्रथमः    | ज्ञास्यते  | ज्ञास्येते  | ज्ञास्यन्ते |
| ज्ञास्यसि  | ज्ञास्यथः  | ज्ञास्यथ    | मध्यमः    | ज्ञास्यसे  | ज्ञास्येथे  | ज्ञास्यध्वे |
| ज्ञास्यामि | ज्ञास्यावः | ज्ञास्यामः  | उत्तमः    | ज्ञास्ये   | ज्ञास्यावहे | ज्ञास्यामहे |

| परस्मैपदम्    |               |                 | लृट्लकारः | आत्मनेपदम् |          |          |
|---------------|---------------|-----------------|-----------|------------|----------|----------|
| ए.व.          | द्विव.        | ब.व.            | पुरुषः    | ए.व.       | द्विव.   | ब.व.     |
| ब्रवीति, आह   | ब्रूतः, आहतुः | ब्रुवन्ति, आहुः | प्रथमः    | ब्रूते     | ब्रुवाते | ब्रुवते  |
| ब्रवीषि, आत्थ | ब्रूथः, आहथुः | ब्रूथ           | मध्यमः    | ब्रूषे     | ब्रुवाथे | ब्रूध्वे |
| ब्रवीमि       | ब्रूवः        | ब्रूमः          | उत्तमः    | ब्रुवे     | ब्रूवहे  | ब्रूमहे  |

| परस्मैपदम् |            |            | लङ्लकारः      |           |              | आत्मनेपदम्  |  |  |
|------------|------------|------------|---------------|-----------|--------------|-------------|--|--|
| ए.व.       | द्विव.     | ब.व.       | पुरुषः        | ए.व.      | द्विव.       | ब.व.        |  |  |
| अब्रवीत्   | अब्रूताम्  | अब्रुवन्   | प्रथमः        | अब्रूत    | अब्रुवाताम्  | अब्रुवत     |  |  |
| अब्रवीः    | अब्रूतम्   | अब्रूत     | मध्यमः        | अब्रूथाः  | अब्रुवाथाम्  | अब्रूध्वम्  |  |  |
| अब्रवम्    | अब्रूव     | अब्रूम     | उत्तमः        | अब्रुवि   | अब्रूवहि     | अब्रूमहि    |  |  |
| परस्मैपदम् |            |            | लोट्लकारः     |           |              | आत्मनेपदम्  |  |  |
| ए.व.       | द्विव.     | ब.व.       | पुरुषः        | ए.व.      | द्विव.       | ब.व.        |  |  |
| ब्रवीतु    | ब्रूताम्   | ब्रुवन्तु  | प्रथमः        | ब्रूताम्  | ब्रुवाताम्   | ब्रुवताम्   |  |  |
| ब्रूहि     | ब्रूतम्    | ब्रूत      | मध्यमः        | ब्रूष्व   | ब्रुवाथाम्   | ब्रूध्वम्   |  |  |
| ब्रवाणि    | ब्रवाव     | ब्रवाम     | उत्तमः        | ब्रवै     | ब्रवावहै     | ब्रवामहै    |  |  |
| परस्मैपदम् |            |            | विधिलिङ्लकारः |           |              | आत्मनेपदम्  |  |  |
| ए.व.       | द्विव.     | ब.व.       | पुरुषः        | ए.व.      | द्विव.       | ब.व.        |  |  |
| ब्रूयात्   | ब्रूयाताम् | ब्रूयुः    | प्रथमः        | ब्रुवीत   | ब्रुवीयाताम् | ब्रुवीरन्   |  |  |
| ब्रूयाः    | ब्रूयातम्  | ब्रूयात    | मध्यमः        | ब्रुवीथाः | ब्रुवीयाथाम् | ब्रुवीध्वम् |  |  |
| ब्रूयाम्   | ब्रूयाव    | ब्रूयाम    | उत्तमः        | ब्रुवीय   | ब्रुवीवहि    | ब्रुवीमहि   |  |  |
| परस्मैपदम् |            |            | लृट्लकारः     |           |              | आत्मनेपदम्  |  |  |
| ए.व.       | द्विव.     | ब.व.       | पुरुषः        | ए.व.      | द्विव.       | ब.व.        |  |  |
| वक्ष्यति   | वक्ष्यतः   | वक्ष्यन्ति | प्रथमः        | वक्ष्यते  | वक्ष्येते    | वक्ष्यन्ते  |  |  |
| वक्ष्यसि   | वक्ष्यथः   | वक्ष्यथ    | मध्यमः        | वक्ष्यसे  | वक्ष्येथे    | वक्ष्यध्वे  |  |  |
| वक्ष्यामि  | वक्ष्यावः  | वक्ष्यामः  | उत्तमः        | वक्ष्ये   | वक्ष्यावहे   | वक्ष्यामहे  |  |  |
| परस्मैपदम् |            |            | दा (३ उ.प.)   |           |              | आत्मनेपदम्  |  |  |
| ए.व.       | द्विव.     | ब.व.       | पुरुषः        | ए.व.      | द्विव.       | ब.व.        |  |  |
| ददाति      | दत्तः      | ददति       | प्रथमः        | दत्ते     | ददाते        | ददते        |  |  |
| ददासि      | दत्थः      | दत्थ       | मध्यमः        | दत्से     | ददाथे        | ददध्वे      |  |  |
| ददामि      | दद्वः      | दद्वः      | उत्तमः        | ददे       | दद्वहे       | दद्वहे      |  |  |
| परस्मैपदम् |            |            | लङ्लकारः      |           |              | आत्मनेपदम्  |  |  |
| ए.व.       | द्विव.     | ब.व.       | पुरुषः        | ए.व.      | द्विव.       | ब.व.        |  |  |
| अददात्     | अदत्ताम्   | अददुः      | प्रथमः        | अदत्त     | अददाताम्     | अददत        |  |  |
| अददाः      | अदत्तम्    | अदत्त      | मध्यमः        | अदत्थाः   | अददाथाम्     | अददध्वम्    |  |  |
| अददाम्     | अदद्व      | अदद्व      | उत्तमः        | अददि      | अदद्वहि      | अदद्वहि     |  |  |
| परस्मैपदम् |            |            | लोट्लकारः     |           |              | आत्मनेपदम्  |  |  |
| ए.व.       | द्विव.     | ब.व.       | पुरुषः        | ए.व.      | द्विव.       | ब.व.        |  |  |
| ददातु      | दत्ताम्    | ददतु       | प्रथमः        | दत्ताम्   | ददाताम्      | ददताम्      |  |  |
| देहि       | दत्तम्     | दत्त       | मध्यमः        | दत्स्व    | ददाथाम्      | ददध्वम्     |  |  |
| ददानि      | ददाव       | ददाम       | उत्तमः        | ददै       | ददावहै       | ददामहै      |  |  |

| परस्मैपदम्          |              |             | विधिलिङ्लकारः             |            |              | आत्मनेपदम्         |  |  |
|---------------------|--------------|-------------|---------------------------|------------|--------------|--------------------|--|--|
| ए.व.                | द्विव.       | ब.व.        | पुरुषः                    | ए.व.       | द्विव.       | ब.व.               |  |  |
| दद्यात्             | दद्याताम्    | दद्युः      | प्रथमः                    | ददीत       | ददीयाताम्    | ददीरन्             |  |  |
| दद्याः              | दद्यातम्     | दद्यात      | मध्यमः                    | ददीथाः     | ददीयाथाम्    | ददीध्वम्           |  |  |
| दद्याम्             | दद्याव       | दद्याम      | उत्तमः                    | ददीय       | ददीवहि       | ददीमहि             |  |  |
| परस्मैपदम्          |              |             | लृट्लकारः                 |            |              | आत्मनेपदम्         |  |  |
| ए.व.                | द्विव.       | ब.व.        | पुरुषः                    | ए.व.       | द्विव.       | ब.व.               |  |  |
| दास्यति             | दास्यतः      | दास्यन्ति   | प्रथमः                    | दास्यते    | दास्येते     | दास्यन्ते          |  |  |
| दास्यसि             | दास्यथः      | दास्यथ      | मध्यमः                    | दास्यसे    | दास्येथे     | दास्यध्वे          |  |  |
| दास्यामि            | दास्यावः     | दास्यामः    | उत्तमः                    | दास्ये     | दास्यावहे    | दास्यामहे          |  |  |
| परस्मैपदम् (रक्षणे) |              |             | भुज् (७ उ.प.)<br>लट्लकारः |            |              | आत्मनेपदम् (भोजने) |  |  |
| ए.व.                | द्विव.       | ब.व.        | पुरुषः                    | ए.व.       | द्विव.       | ब.व.               |  |  |
| भुनक्ति             | भुङ्क्तः     | भुञ्जन्ति   | प्रथमः                    | भुङ्क्ते   | भुञ्जाते     | भुञ्जते            |  |  |
| भुनक्षि             | भुङ्क्थः     | भुङ्क्थ     | मध्यमः                    | भुङ्क्षे   | भुञ्जाथे     | भुङ्ध्वे           |  |  |
| भुनज्मि             | भुञ्ज्वः     | भुञ्ज्मः    | उत्तमः                    | भुञ्जे     | भुञ्ज्वहे    | भुञ्ज्महे          |  |  |
| परस्मैपदम्          |              |             | लङ्लकारः                  |            |              | आत्मनेपदम्         |  |  |
| ए.व.                | द्विव.       | ब.व.        | पुरुषः                    | ए.व.       | द्विव.       | ब.व.               |  |  |
| अभुनक्-ग्           | अभुङ्क्ताम्  | अभुञ्जन्    | प्रथमः                    | अभुङ्क्त   | अभुञ्जाताम्  | अभुञ्जत            |  |  |
| अभुनक्-ग्           | अभुङ्क्तम्   | अभुङ्क्त    | मध्यमः                    | अभुङ्क्थाः | अभुञ्जाथाम्  | अभुङ्ध्वम्         |  |  |
| अभुनजम्             | अभुञ्ज्व     | अभुञ्ज्म    | उत्तमः                    | अभुञ्जि    | अभुञ्ज्वहि   | अभुञ्ज्महि         |  |  |
| परस्मैपदम्          |              |             | लोट्लकारः                 |            |              | आत्मनेपदम्         |  |  |
| ए.व.                | द्विव.       | ब.व.        | पुरुषः                    | ए.व.       | द्विव.       | ब.व.               |  |  |
| भुनक्तु             | भुङ्क्ताम्   | भुञ्जन्तु   | प्रथमः                    | भुङ्क्ताम् | भुञ्जाताम्   | भुञ्जताम्          |  |  |
| भुङ्ग्धि            | भुङ्क्तम्    | भुङ्क्त     | मध्यमः                    | भुङ्क्व    | भुञ्जाथाम्   | भुङ्ध्वम्          |  |  |
| भुनजानि             | भुनजाव       | भुनजाम      | उत्तमः                    | भुनजै      | भुनजावहै     | भुनजामहै           |  |  |
| परस्मैपदम्          |              |             | विधिलिङ्लकारः             |            |              | आत्मनेपदम्         |  |  |
| ए.व.                | द्विव.       | ब.व.        | पुरुषः                    | ए.व.       | द्विव.       | ब.व.               |  |  |
| भुञ्ज्यात्          | भुञ्ज्याताम् | भुञ्ज्युः   | प्रथमः                    | भुञ्जीत    | भुञ्जीयाताम् | भुञ्जीरन्          |  |  |
| भुञ्ज्याः           | भुञ्ज्यातम्  | भुञ्ज्यात   | मध्यमः                    | भुञ्जीथाः  | भुञ्जीयाथाम् | भुञ्जीध्वम्        |  |  |
| भुञ्ज्याम्          | भुञ्ज्याव    | भुञ्ज्याम   | उत्तमः                    | भुञ्जीय    | भुञ्जीवहि    | भुञ्जीमहि          |  |  |
| परस्मैपदम्          |              |             | लृट्लकारः                 |            |              | आत्मनेपदम्         |  |  |
| ए.व.                | द्विव.       | ब.व.        | पुरुषः                    | ए.व.       | द्विव.       | ब.व.               |  |  |
| भोक्ष्यति           | भोक्ष्यतः    | भोक्ष्यन्ति | प्रथमः                    | भोक्ष्यते  | भोक्ष्येते   | भोक्ष्यन्ते        |  |  |
| भोक्ष्यसि           | भोक्ष्यथः    | भोक्ष्यथ    | मध्यमः                    | भोक्ष्यसे  | भोक्ष्येथे   | भोक्ष्यध्वे        |  |  |
| भोक्ष्यामि          | भोक्ष्यावः   | भोक्ष्यामः  | उत्तमः                    | भोक्ष्ये   | भोक्ष्यावहे  | भोक्ष्यामहे        |  |  |

| या (२ प.प.) लट्लकारः |        |        |        | या (२ प.प.) लङ्लकारः |         |            |        |
|----------------------|--------|--------|--------|----------------------|---------|------------|--------|
| ए.व.                 | द्विव. | ब.व.   | पुरुषः | ए.व.                 | द्विव.  | ब.व.       | पुरुषः |
| याति                 | यातः   | यान्ति | प्रथमः | अयात्                | अयाताम् | अयान्/अयुः | प्रथमः |
| यासि                 | याथः   | याथ    | मध्यमः | अयाः                 | अयातम्  | अयात       | मध्यमः |
| यामि                 | यावः   | यामः   | उत्तमः | अयाम्                | अयाव    | अयाम       | उत्तमः |

| या (२ प.प.) लोट्लकारः |        |        |        | या (२ प.प.) विधिलिङ्लकारः |          |       |        |
|-----------------------|--------|--------|--------|---------------------------|----------|-------|--------|
| ए.व.                  | द्विव. | ब.व.   | पुरुषः | ए.व.                      | द्विव.   | ब.व.  | पुरुषः |
| यातु                  | याताम् | यान्तु | प्रथमः | यायात्                    | यायाताम् | यायुः | प्रथमः |
| याहि                  | यातम्  | यात    | मध्यमः | यायाः                     | यायातम्  | यायात | मध्यमः |
| यानि                  | याव    | याम    | उत्तमः | यायाम्                    | यायाव    | यायाम | उत्तमः |

| या (२ प.प.) लृट्लकारः |          |           |        |
|-----------------------|----------|-----------|--------|
| ए.व.                  | द्विव.   | ब.व.      | पुरुषः |
| यास्यति               | यास्यतः  | यास्यन्ति | प्रथमः |
| यास्यसि               | यास्यथः  | यास्यथ    | मध्यमः |
| यास्यामि              | यास्यावः | यास्यामः  | उत्तमः |



**जिज्ञासापत्रम्**

१) तालिकां पूरयत ।

| धातवः          | अर्थः     | लकारः    | एकवचनम्  | द्विवचनम्    | बहुवचनम् |
|----------------|-----------|----------|----------|--------------|----------|
| ब्रू (२ उ.प.)  | वदति      | लङ्      | _____    | अब्रूताम्    | अब्रुवन् |
| दा (३ उ.प.)    | यच्छति    | लट्      | _____    | ददाते        | ददते     |
| भुज् (७ उ.प.)  | खादति     | लोट्     | _____    | दत्तम्       | दत्त     |
| ज्ञा (९ उ.प.)  | अवगच्छति  | लट्      | _____    | भुञ्जाथे     | भुङ्ध्वे |
| ग्रह् (९ उ.प.) | स्वीकरोति | विधिलिङ् | भुञ्जीत  | भुञ्जीयाताम् | _____    |
|                |           | लट्      | जानीते   | जानाते       | _____    |
|                |           | लोट्     | _____    | जानावहै      | जानामहै  |
|                |           | लट्      | गृह्णामि | गृह्णीवः     | _____    |

२) योग्यानि लटरूपाणि लिखत ।

अ) यशोदा दधि \_\_\_\_\_ । (मन्थ् ९ प.प.)    आ) बालकः क्षुधया \_\_\_\_\_ । (रुद् २ प.प.)

इ) अहं भोजनम् \_\_\_\_\_ । (अश् ९ प.प.)    ई) कृष्णः नरकासुरं \_\_\_\_\_ । (हन् २ प.प.)

उ) वयं भगवन्तं \_\_\_\_\_ । (स्तु २ प.प.)    ऊ) हरः हिमालये \_\_\_\_\_ । (शी २ आ.प.)

ए) मृगाः सिंहात् \_\_\_\_\_ । (भी ३ प.प.)    ऐ) मातामही आपणात् शाकानि \_\_\_\_\_ । (क्री ९ प.प.)

ओ) ऋषयः नित्यं सात्त्विकमन्नं \_\_\_\_\_ । (भुज् ७ आ.प.)

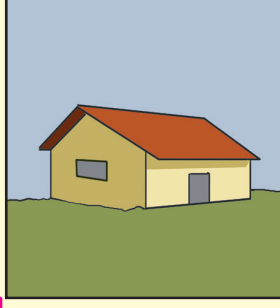
**पठत-बोधत-कण्ठस्थीकुरुत । - दशलकाराः**

‘लट् वर्तमाने ‘लेट् वेदे भूते ‘लुङ् ‘लङ् ‘लिट्स्तथा ।

विध्याशिषौ तु ‘लिङ्-‘लोटौ ‘लुट् ‘लृट् ‘लृङ् च भविष्यति ॥



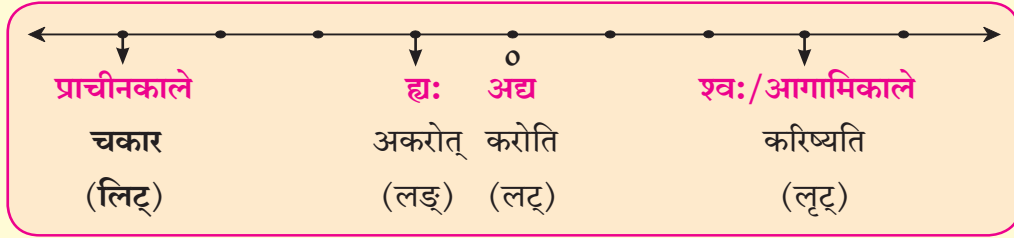
मनुष्यः गृहे अवसत् ।



आदिमानवः गुहायाम् उवास ।

एतानि वाक्यानि पठत ।

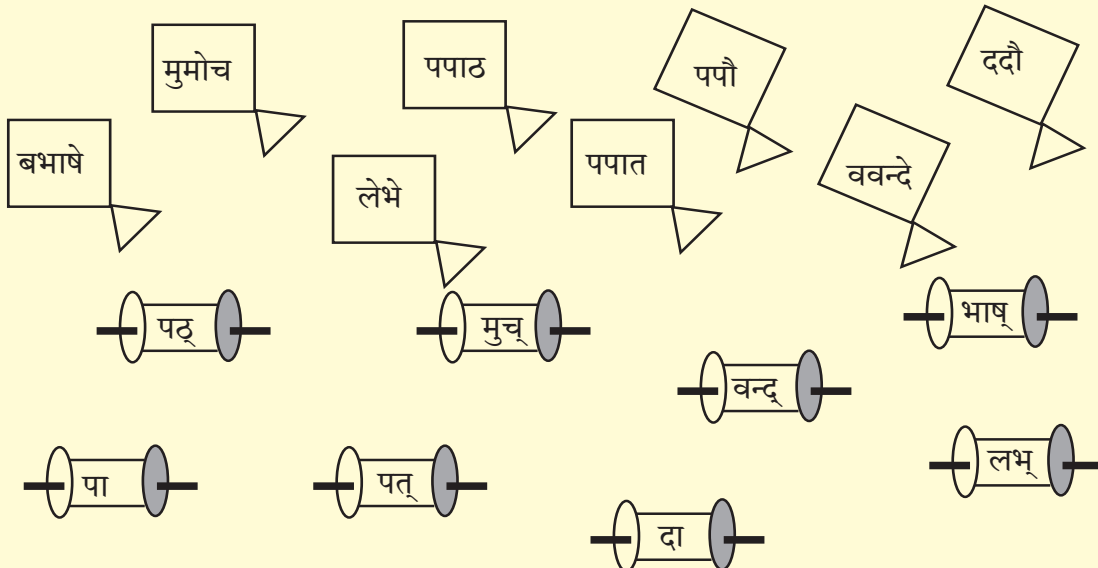
| ह्यः                        | पुरा                                    |
|-----------------------------|-----------------------------------------|
| मोहनः पाठशालाम् अगच्छत् ।   | श्रीकृष्णः सान्दीपनिमुनेः आश्रमं जगाम । |
| छात्राः पुस्तिकाः अयच्छन् । | देवाः शस्त्राणि ददुः ।                  |
| गन्धारः फलम् अखादत् ।       | श्रीरामः बदरीफलानि चखाद ।               |
| बालकः देवम् अनमत् ।         | कर्णः शक्रं ननाम ।                      |



जिज्ञासापत्रम्

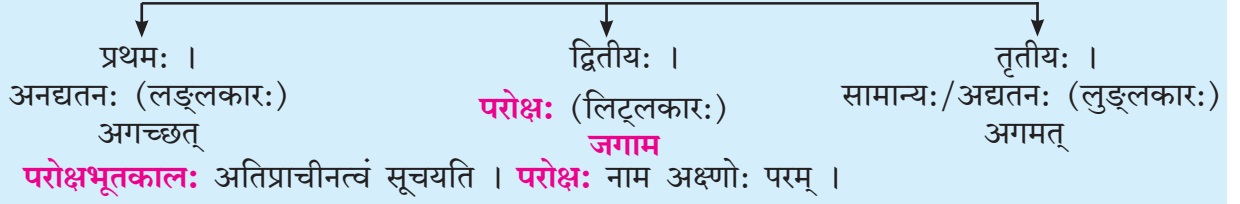
कृतिः -

१) मूलधातुं योजयत ।





**भूतकालः ।**



**परोक्षभूतकालस्य प्रकारद्वयम्**

| अभ्यस्तः                                       | आमन्तः                                                                                         |
|------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------|
| प्रथमतः नवमगणपर्यन्तम् धातवः<br>(केचन अपवादाः) | दशमगणीयाः धातवः, णिजन्ताः (प्रयोजकाः),<br>ई/ऊ/ ऋ/ए/ओ - स्वरादयः धातवः तथा च केचन अन्ये धातवः । |

परस्मैपदम्

लिट्-प्रत्ययाः

आत्मनेपदम्

| ए.व. | द्विव.          | ब.व.        | पुरुषः      | ए.व. | द्विव. | ब.व. |
|------|-----------------|-------------|-------------|------|--------|------|
| अ    | अतुस्<br>(अतुः) | उस्<br>(उः) | प्रथमपुरुषः | ए    | आते    | इरे  |

**अभ्यस्त-लिट्लकारः (परोक्षभूतकालः)**

अभ्यासः नाम पुनरावृत्तिः । अतः प्रथमवर्णस्य पुनरावृत्तिः यस्मिन् भवति, सः अभ्यस्तः परोक्षभूतकालः ।  
यथा दा - ददौ ददतुः ददुः ।  
पा - पपौ पपतुः पपुः ।  
ज्ञा - जज्ञौ जज्ञतुः जज्ञुः ।

दृश् - ददर्श ददृशतुः ददृशुः ।  
या - ययौ ययतुः ययुः ।

**लिट्-रूपाणि (प. प.)**

| धातुः         | प्र.पु.<br>ए.व. | प्र.पु.<br>द्विव. | प्र.पु.<br>ब.व. | धातुः           | प्र.पु.<br>ए.व. | प्र.पु.<br>द्विव. | प्र.पु.<br>ब.व. |
|---------------|-----------------|-------------------|-----------------|-----------------|-----------------|-------------------|-----------------|
| गम् (१ प.प.)  | जगाम            | जग्मतुः           | जग्मुः          | वच् (२ प.प.)    | उवाच            | ऊचतुः             | ऊचुः            |
| चर् (१ प.प.)  | चचार            | चेरतुः            | चेरुः           | हन् (२ प.प.)    | जघान            | जघ्नतुः           | जघ्नुः          |
| तृ (१ प.प.)   | ततार            | तेरतुः            | तेरुः           | लिख् (६ प.प.)   | लिलेख           | लिलिखतुः          | लिलिखुः         |
| नम् (१ प.प.)  | ननाम            | नेमतुः            | नेमुः           | नृत् (४ प.प.)   | ननर्त           | ननृततुः           | ननृतुः          |
| पत् (१ प.प.)  | पपात            | पेततुः            | पेतुः           | शक् (५ प.प.)    | शशाक            | शेकतुः            | शेकुः           |
| नी (१ प.प.)   | निनाय           | निन्यतुः          | निन्युः         | श्रु (५ प.प.)   | शुश्राव         | शुश्रुवतुः        | शुश्रुवुः       |
| बुध (१ प.प.)  | बुबोध           | बुबुधतुः          | बुबुधुः         | बन्ध् (९ प.प.)  | बबन्ध           | बबन्धतुः          | बबन्धुः         |
| दा (३ प.प.)   | ददौ             | ददतुः             | ददुः            | क्रुश् (१ प.प.) | चुक्रोश         | चुक्रुशतुः        | चुक्रुशुः       |
| मुच् (६ प.प.) | मुमोच           | मुमुचतुः          | मुमुचुः         | भू (१ प.प.)     | बभूव            | बभूवतुः           | बभूवुः          |
| भुज् (७ प.प.) | बुभोज           | बुभुजतुः          | बुभुजुः         | वस् (१ प.प.)    | उवास            | ऊषतुः             | ऊषुः            |
| कृ (८ प.प.)   | चकार            | चक्रतुः           | चक्रुः          | अस् (२ प.प.)    | आस              | आसतुः             | आसुः            |
| ज्ञा (९ प.प.) | जज्ञौ           | जज्ञतुः           | जज्ञुः          | भञ्ज् (७ प.प.)  | बभञ्ज           | बभञ्जतुः          | बभञ्जुः         |

### लिट्-रूपाणि (आ. प.)

| धातुः          | प्र.पु.<br>ए.व. | प्र.पु.<br>द्विव. | प्र.पु.<br>ब.व. | धातुः          | प्र.पु.<br>ए.व. | प्र.पु.<br>द्विव. | प्र.पु.<br>ब.व. |
|----------------|-----------------|-------------------|-----------------|----------------|-----------------|-------------------|-----------------|
| भाष् (१ आ.प.)  | बभाषे           | बभाषाते           | बभाषिरे         | बुध् (१ आ. प.) | बुबुधे          | बुबुधाते          | बुबुधिरे        |
| रम् (१ आ.प.)   | रेमे            | रेमाते            | रेमिरे          | दा (३ आ.प.)    | ददे             | ददाते             | ददिरे           |
| वन्द् (१ आ.प.) | ववन्दे          | ववन्दाते          | ववन्दिरे        | मुच् (६ आ.प.)  | मुमुचे          | मुमुचाते          | मुमुचिरे        |
| वृध् (१ आ.प.)  | ववृधे           | ववृधाते           | ववृधिरे         | भुज् (७ आ.प.)  | बुभुजे          | बुभुजाते          | बुभुजिरे        |
| मन् (४ प.प.)   | मेने            | मेनाते            | मेनिरे          | कृ (८ आ.प.)    | चक्रे           | चक्राते           | चक्रिरे         |
| नी (१ आ.प.)    | निन्ये          | निन्याते          | निन्यिरे        | ज्ञा (९ आ.प.)  | जज्ञे           | जज्ञाते           | जज्ञिरे         |

### आमन्त-लिटलकारः (परोक्षभूतकालः)

मूलधातुः + विकरणम् + आम् = आमन्त-अङ्गम् + अस्/भू/कृ (अभ्यस्तरूपाणि) = आमन्तक्रियापदम्

पूज् + अय + आम् = पूजयाम् + आस पूजयामास  
 बभूव पूजयाम्बभूव  
 चकार पूजयाश्चकार  
 चक्रे पूजयाश्चक्रे

| धातुः                           | प्र.पु.ए.व.                                            | प्र.पु. द्विव.                                                    | प्र.पु. ब.व.                                                   |
|---------------------------------|--------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------|
| कथ् (१० उ.प.) (प.प.)<br>(आ.प.)  | कथयामास<br>कथयाम्बभूव<br>कथयाश्चकार<br>कथयाश्चक्रे     | कथयामासतुः<br>कथयाम्बभूवतुः<br>कथयाश्चक्रतुः<br>कथयाश्चक्राते     | कथयामासुः<br>कथयाम्बभूवुः<br>कथयाश्चक्रुः<br>कथयाश्चक्रिरे     |
| पूज् (१० उ.प.) (प.प.)<br>(आ.प.) | पूजयामास<br>पूजयाम्बभूव<br>पूजयाश्चकार<br>पूजयाश्चक्रे | पूजयामासतुः<br>पूजयाम्बभूवतुः<br>पूजयाश्चक्रतुः<br>पूजयाश्चक्राते | पूजयामासुः<br>पूजयाम्बभूवुः<br>पूजयाश्चक्रुः<br>पूजयाश्चक्रिरे |
| ईक्ष् (१ आ.प.)                  | ईक्षामास<br>ईक्षाम्बभूव<br>ईक्षाश्चक्रे                | ईक्षामासतुः<br>ईक्षाम्बभूवतुः<br>ईक्षाश्चक्राते                   | ईक्षामासुः<br>ईक्षाम्बभूवुः<br>ईक्षाश्चक्रिरे                  |
| गम् (णिजन्त)                    | गमयामास<br>गमयाम्बभूव<br>गमयाश्चकार<br>गमयाश्चक्रे     | गमयामासतुः<br>गमयाम्बभूवतुः<br>गमयाश्चक्रतुः<br>गमयाश्चक्राते     | गमयामासुः<br>गमयाम्बभूवुः<br>गमयाश्चक्रुः<br>गमयाश्चक्रिरे     |

### योग्य-लिट्-रूपैः वाक्यानि पूरयत ।

- कंसं \_\_\_\_\_ कृष्णः । (हन्)
- अप्सरसः स्वर्गे \_\_\_\_\_ । (नृत्)
- अर्जुनः बाणं \_\_\_\_\_ । (मुच्)
- पुरा ऋषयः हिमालये \_\_\_\_\_ । (वस्)
- वाल्मीकिः रामायणं \_\_\_\_\_ । (रच्)
- व्यासः महाभारतं \_\_\_\_\_ (कथ्) गणेशः च \_\_\_\_\_ । (लिख्)
- गन्धर्वाः दुर्योधनं \_\_\_\_\_ । (बन्ध्)
- लवकुशौ श्रीरामं \_\_\_\_\_ । (वन्द्)

## (क) वाच्यपरिवर्तनम् ।



अस्माभिः कर्तृवाच्यं कर्मवाच्यं च गतवर्षे पठिते । कर्तृवाच्यं क्रियापदं कर्तृपदं बोधयति । कर्मवाच्यं क्रियापदं कर्मपदं बोधयति । एतानि उदाहरणानि पश्यत ।

रामः ग्रन्थं पठति ।

कर्तृपदं कर्मपदं क्रियापदम्

अत्र 'ग्रन्थम्' इति कर्मपदम् ।

यदा क्रिया कर्मपदम् अपेक्षते तदा ते धातवः सकर्मकाः इति कथ्यन्ते । तानि वाक्यानि सकर्मकाणि कर्तृवाच्यानि भवन्ति ।

रामः पतति ।

कर्तृपदम् क्रियापदम्

अत्र कर्मपदं नास्ति ।

अन्य-कर्मपदस्य अपेक्षा यत्र न वर्तते ते धातवः अकर्मकाः इति कथ्यन्ते । तानि वाक्यानि कर्तृवाच्यानि एव, किन्तु अकर्मकाणि भवन्ति ।

**अकर्मकाः धातवः -**

केचन धातवः कर्मपदं न अपेक्षन्ते ते सर्वे अकर्मकाः इति कथ्यन्ते । भवति, पतति, तिष्ठति, वर्धते, रमते, जीवति, म्रियते, निद्राति, अस्ति, क्रन्दति इत्यादयः ।

**कानिचन उदाहरणानि पश्यन्तु -**

बालकः उत्तिष्ठति । राधा लज्जते ।

माता जागर्ति । सिंहः म्रियते ।

शशकः बिभेति । प्राची उपविशति । इ.

कारिका -  
लज्जा-सत्ता-स्थिति-जागरणम्  
वृद्धि-क्षय-भय-जीवित-मरणम् ।  
शयन-क्रीडा-रुचि-दीप्यर्थम्  
धातुगणं तमकर्मकमाहुः ॥

**अधोदत्तानि वाक्यानि पठन्तु -**

रामः ग्रन्थं पठति । (सकर्मकं कर्तृवाच्यम्)

सारिका हसति । (अकर्मकं कर्तृवाच्यम्)

सीता चित्रं पश्यति । (सकर्मकं कर्तृवाच्यम्)

अभिषेकः उपविशति । (अकर्मकं कर्तृवाच्यम्)

**पठत-बोधत**

कर्तृवाच्यम् - कर्तरि प्रथमा यत्र द्वितीयाऽथ च कर्मणि ।

कर्तृवाच्यं भवेत् तत्तु क्रिया कर्त्रनुसारिणी ॥

कर्मवाच्यम् - कर्मणि प्रथमा यत्र तृतीयाऽथ च कर्तरि ।

कर्मवाच्यं भवेत् तत्तु क्रिया कर्मानुसारिणी ॥

भाववाच्यम् - भाववाच्ये क्रिया वक्ति न कर्तरि न कर्मणि ।

तत्र कर्ता तृतीयायां क्रिया भावानुसारिणी ॥

अधुना वाच्यपरिवर्तनं पश्यामः ।

**सकर्मकं कर्तृवाच्यम्**

रामः ग्रन्थं पठति ।

बालकः ग्रन्थान् पठति ।

**कर्मवाच्यम्**

रामेण ग्रन्थः पठ्यते ।

बालकेन ग्रन्थाः पठ्यन्ते ।

| रामः          | ग्रन्थं         | पठति ।                     |
|---------------|-----------------|----------------------------|
| कर्तृपदम्     | कर्मपदम्        | क्रियापदम्                 |
| प्रथमा<br>(१) | द्वितीया<br>(२) | प्रथमान्तपदानुसारम्<br>(१) |

| रामेण         | ग्रन्थः       | पठ्यते ।                   |
|---------------|---------------|----------------------------|
| कर्तृपदम्     | कर्मपदम्      | क्रियापदम्                 |
| तृतीया<br>(३) | प्रथमा<br>(१) | प्रथमान्तपदानुसारम्<br>(१) |

**अकर्मकं कर्तृवाच्यम्**

मधुरा पतति ।

बालिकाः पतन्ति ।

**भाववाच्यम्**

मधुरया पत्यते ।

बालिकाभिः पत्यते ।

| मधुरा         |               | पतति ।                     |
|---------------|---------------|----------------------------|
| कर्तृपदम्     | कर्मपदम्      | क्रियापदम्                 |
| प्रथमा<br>(१) | नास्ति<br>(०) | प्रथमान्तपदानुसारम्<br>(१) |

| मधुरया        |               | पत्यते ।                        |
|---------------|---------------|---------------------------------|
| कर्तृपदम्     | कर्मपदम्      | क्रियापदम्                      |
| तृतीया<br>(३) | नास्ति<br>(०) | नित्यं प्रथमपुरुष-एकवचने<br>(१) |

**कर्तृवाच्यम्**

बालकः श्लोकं गायति ।

माला पुष्पाणि नयति ।

अहं मुकुन्दं स्मरामि ।

त्वं रोटिकाः करोषि ।

सूर्यः प्रकाशं ददाति ।

माता अस्मान् ताडयति ।

पिता त्वाम् उपदिशति ।

ऋषिः युष्मान् वदति ।

त्वं मां पृच्छसि ।

\_\_\_\_\_ ।

राजा मन्त्रिणम् आह्वयति ।

शृगालः मृगकाकौ पश्यति ।

**कर्मवाच्यम्**

बालकेन श्लोकः गीयते ।

मालया पुष्पाणि नीयन्ते ।

मया मुकुन्दः स्मर्यते ।

\_\_\_\_\_ रोटिकाः क्रियन्ते ।

\_\_\_\_\_ प्रकाशः दीयते ।

\_\_\_\_\_ वयं ताड्यामहे ।

पित्रा \_\_\_\_\_ उपदिश्यसे ।

ऋषिणा \_\_\_\_\_ उद्यध्वे ।

त्वया \_\_\_\_\_ पृच्छ्ये ।

मया माता वन्द्यते ।

राज्ञा मन्त्री आहूयते ।

\_\_\_\_\_ ।

अन्यलकारेषु प्रयोगपरिवर्तनम् ।

|                        |                         |
|------------------------|-------------------------|
| बालकः श्लोकम् अगायत् । | बालकेन श्लोकः अगीयत ।   |
| बालकः श्लोकं गायतु ।   | बालकेन श्लोकः गीयताम् । |
| बालकः श्लोकं गायेत् ।  | बालकेन श्लोकः गीयेत ।   |

जिज्ञासापत्रम्



१) वाच्यपरिवर्तनं कुरुत ।

अ) साधवः ईश्वरं नमन्ति ।

आ) हरिः भक्तान् रक्षति ।

इ) ब्रह्मा विश्वं निर्माति ।

ई) गर्दभेन भारः उह्यते ।

उ) पक्षिभिः नीडानि रच्यन्ते ।

ऊ) विघ्नहर्ता मोदकौ खादति ।